न्यूज डायरी

यूएन में म्यांमार के राजदूत को मारने की साजिश विफल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) न्यूयार्क। संयुक्त राष्ट्र में म्यांमार के जुंटा (सैन्य शासन) विरोधी राजदूत क्वाव मो टुन की अमेरिका में हत्या करने की साजिश रची जा रही थी। इस मामले में न्यूयार्क में म्यांमार के दो नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए दोनों लोगों को काम दिया गया था कि पहले वे मो टुन को इस्तीफा देने के लिए मजबूर करें। वह ऐसा नहीं करते हैं तो उन पर प्राणघातक हमला कर दें । क्वाव मो टुन संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में म्यांमार के स्थायी प्रतिनिधि हैं और जुंटा के आने के बाद उन्होंने लोकतंत्र समर्थक नेता आंग सान सू की की संयुक्त राष्ट्र में वकालत करते हुए सेना के अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाई थी। फरवरी में सैन्य तख्ता पलट के बाद म्यांमार के राजदूत को धमकी दी गई थी। धमकी के बाद उनकी अमेरिका में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई थी। न्यूयार्क के दक्षिण जिले के अटार्नी कार्यालय ने कहा है कि पकड़े गए म्यांमार के नागरिक 28 वर्षीय फियो हेन हट और 20 वर्षीय ये हेंन जेव हैं।

यूएन की दूत ने राजनीतिक समझौते के लिए तालिबान की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) संयुक्त राष्ट्र। अफगानिस्तान में पैर पसारते जा रहे तालिबान पर अफगानिस्तान के लिए संयुक्त राष्ट्र की विशेष दूत डेबोरा लियोन ने अपनी चिंता जाहिर की। उन्होंने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सामने राजनीतिक समझौते के लिए तालिबान की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाएं। साथ ही उन्होंने बोला कि देश में चल रहे गृहयुद्ध अब एक घातक और विनाशकारी दौर में है, पिछले महीने तालिबान के हमलों से 1,000 से ज्यादा आम नागरिक मारे जा चुके हैं। यूएनएएमए की विशेष दूत डेबोरा लियोन ने तालिबान से बातचीत के माध्यम से सुलह करने पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर किसी को वास्तव में बातचीत के माध्यम से सुलाह करनी होती है, तो वह आम नागरिकों को मारने का जोखिम नहीं उठाते हैं, क्योंकि इससे सुलह की प्रक्रिया अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाती है।

स्विट्जरलैंड शुरू करेगा सबसे तेज हाइपरलूप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बर्न। स्विट्जरलैंड के एक स्टार्टअप ने एक हाइपरलूप सिस्टम की अपनी योजना का खुलासा किया है जो यात्रियों को आल्प्स के नीचे 745 मील प्रति घंटे तक की गति से सफर कराएगी। मंथी स्थित फर्म स्विसपॉड एक हाइपरलूप सिस्टम का वादा कर रही है जो यात्रियों और कार्गो को जिनेवा से ज्यूरिख तक सिर्फ 17 मिनट में या न्यूयॉर्क शहर से वाशिंगटन डीसी तक सिर्फ 30 मिनट में पहुंचाने में सक्षम होगी। इसकी रफ्तार करीब 1200 किमी प्रतिघंटा तक होगी यानी मुंबई से दिल्ली का सफर लगभग एक घंटे में पूरा हो किया जा सकेगा। यह स्विट्जरलैंड में चलने वाली ट्रेनों की यात्राओं की अवधि का नौवां हिस्सा और अमेरिकी ट्रेनों की अवधि का सातवां हिस्सा है। फर्म के सीईओ और सह–संस्थापक डेनिस ट्यूडर के अनुसार स्विसपॉड चार से पांच सालों में अपने हाइपरलूप को बाजार में उतार सकता है।

दुनिया में टायरों के सबसे बड़े कब्रिस्तान में लगी आग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कुवैत सिटी। दुनिया में टायरों के सबसे बड़े कब्रिस्तान से जहरीला धुआं उठ रहा है। तस्वीरों में यह डरावना दृश्य देखा जा सकता है। यह जगह और यहां से उठता धुआं अंतरिक्ष से भी नजर आ रहा है। कुवैत के सुलैबिया क्षेत्र में रेतीली मिट्टी में खोदे गए विशाल गड्ढे में करीब 70 लाख टायर हैं। छह एकड़ में फैली इस जगह में आग लगने के बाद उठ रहे गाढ़े धुएं की तस्वीरें सैटेलाइट में कैद की गई हैं। माना जाता है कि ये टायर कुवैत और दूसरे देशों के हैं, जिन्होंने इन्हें ले जाने के लिए भुगतान किया है। डिस्पोजल की जिम्मेदारी चार कंपनियों को दी गई है। कई लोगों ने ऐसे दहनशील पदार्थों को एक ऐसे देश में जमा करने पर सवाल भी उठाए हैं जहां तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। कुवैत की सरकार ने रेगिस्तान में टायरों का डिस्पोजल शुरू कर दिया है।

तालिबानी पाकिस्तान के पीएम इमरान खान के लिए बनते जा रहे भस्मासुर

चाल तालिबान के आतंकियों ने पाकिस्तान से लगती बेहद अहम सीमा को अब बंद कर दिया है

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान में भीषण हमले कर रहे तालिबानी आतंकी पाकिस्थान के प्रधानमंत्री इमरान खान के लिए भस्मासुर बनते नजर आ रहे हैं। तालिबान आतंकियों ने पाकिस्तान से लगती बेहद अहम सीमा को बंद कर दिया है। उन्होंने मांग की है कि पाकिस्तान सरकार अफगान लोगों को बेरोक–टोक पाकिस्तान में आने की अनुमति दे और वीजा की जरूरत को खत्म कर दे। माना जा रहा है कि तालिबान की इस मांग के पीछे एक बड़ी चाल छिपी हुई है।

तालिबान ने स्पिन बोल्डाक–चमन बॉर्डर को बंद कर दिया। इस सीमा पर पिछले दिनों तालिबान ने कब्जा कर लिया था और अफगान सुरक्षाबलों से अरबों रुपये बरामद किए थे। इसी सीमा से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बहुत ज्यादा व्यापार होता है और दोनों देशों को काफी कमाई होती है। तालिबान ने कहा, किसी को तब तक आने और जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी जब तक कि पाकिस्तान सरकार अफगान लोगों के लिए वीजा की जरूरत को खत्म नहीं कर देती है।

पाकिस्तान अब वीजा की शर्त को कड़ाई से लागू कर रहा: अफगानिस्तान के लिए यह सीमा क्रॉसिंग समुद्र तक जुड़ने के लिए सबसे अहम है जो चारों ओर से जमीन से घिरा हुआ है। पाकिस्तान ने शुरू में अपनी तरफ का इलाका बंद कर दिया था और पिछले सप्ताह ही इसे फिर से खोला है। लेकिन जब से तालिबान ने स्पिन बोल्डाक पर कब्जा किया है, तब से पाकिस्तान अब वीजा की शर्त को कड़ाई से लागू कर रहा है जिसे पहले नहीं लागू किया जाता था।

तालिबान ने एक बयान जारी करके कहा कि पाकिस्तान अफगान लोगों के लिए वीजा की सभी जरूरतों को खत्म कर दे। तालिबान ने पैदल जाने पर भी पाबंदी लगा दी है। साथ ही तालिबान के कंधार के गवर्नर ने चेतावनी दी है कि अगर पाकिस्तान ने आईडी कार्ड के साथ जाने वाले अफगान लोगों के लिए सीमा के दरवाजे नहीं खोले तो हमारी तरफ से यह बंद रहेगा। तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने भी कहा है कि उनके संगठन के नेताओं ने इस कदम का समर्थन किया है।

वीजा फ्री करने के पीछे तालिबान की बड़ी चाल: दरअसल, तालिबान की इस मांग के पीछे उसकी एक बड़ी चाल छिपी हुई है। तालिबान चाहता है कि उसके जेहादी जो पाकिस्थान में मौजूद हैं, वे आसानी से अफगानिस्तान से पाकिस्तान जा सकें। यही नहीं कई तालिबानी जो बुरी तरह से घायल हो गए हैं, उनका पाकिस्तान के सीमाई अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

अफगान सेना से मिल रहे करारे जवाब से तालिबान के कई लड़ाके बुरी तरह से घायल हो गए हैं। ऐसे में उसे अब पाकिस्तान की वीजा की जरूरत अनिवार्य बनाया जाना रास नहीं आ रहा है। उधर, कंगाल पाकिस्तान को डर सता रहा है कि हिंसा की वजह से बहुत से लोग भागकर पाकिस्तान आ सकते हैं, ऐसे में उसकी बदहाली और बढ़ सकती है।

गणेश मंदिर में तोड़फोड़ के मामले में 20 कट्टरपंथी अरेस्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लाहौर। पाकिस्तान के गणेश मंदिर पर हमले की दुनियाभर में आलोचना और सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद पाकिस्तान पुलिस कार्रवाई को मजबूर हो गई है। पंजाब प्रांत की पुलिस ने कहा है कि उन्होंने देश के सुदूरवर्ती कस्बे में एक हिंदू मंदिर पर हमला, तोड़फोड़ के आरोप में 20 लोगों को गिरफ्तार किया है और 150 से अधिक लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एक दिन पहले ही पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने मंदिर की सुरक्षा में नाकामी को लेकर अधिकारियों को फटकार लगाई थी।

लाहौर से करीब 590 किलोमीटर दूर प्रांत के रहीम यार खान जिला के भोंग कस्बे में एक गणेश मंदिर पर भीड़ ने हमला किया था। उन्होंने एक स्थानीय मदरसे में कथित तौर पर पेशाब करने के लिए गिरफ्तार किए गए आठ वर्षीय हिंदू लड़के को अदालत द्वारा रिहा करने के विरोध में मंदिर पर हमला किया था। रहीम यार खान के जिला पुलिस अधिकारी असद सरफराज ने पत्रकारों को बताया, 'हमने भोंग में कथित रूप से मंदिर पर हमला मामले में अब तक 20 संदिग्धों को गिरफ्तार किया है।' असद ने बताया कि आगामी दिनों में गिरफ्तारी संभावित थी क्योंकि पुलिस वीडियो फुटेज के माध्यम से संदिग्धों की पहचान कर रही थी।

साइबेरिया की बर्फ में दबी मिली 28,000 साल पुरानी शेरनी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मॉस्को। साइबेरिया की बर्फ में जमी हुए अवस्था में पाए गए एक पूरी तरफ से संरक्षित शेर के शावक की पुष्टि श्मादाश के रूप में हुई है, जिसकी मौत करीब 28,000 साल पहले हो गई थी। जीवों से जुड़े एक नए अध्ययन में इसकी जानकारी दी गई। यह अब तक पाए गए सबसे अच्छी तरह संरक्षित हिमयुग के जानवरों में से एक है। सेंटर फॉर पैलियोजेनेटिक्स, स्टॉकहोम, स्वीडन की टीम ने इसका नाम स्पार्टा रखा है।रिसर्च के मुताबिक मादा शावक की मौत के समय उसकी उम्र दो महीने से भी कम थी। वह गोल्डेन फर से ढकी हुई पाई गई। मादा शावक के दांत, त्वचा और मूछें अभी भी बरकरार हैं।

सिखों के विरोध के आगे झुका तालिबान गुरुद्वारे पर फिर से लगाया निशान साहिब

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काबुल। दुनियाभर में विरोध के बाद तालिबान आतंकियों ने एक फिर से पकतिया प्रांत में पवित्र गुरुद्वारे थाल साहिब की छत पर लगा धार्मिक झंडा, निशान साहिब लगा दिया है। यह गुरुद्वारा सिखों के लिए काफी अहम है और श्री गुरु नानक देव भी इस यहां आ चुके हैं। इससे पहले तालिबान के प्रवक्ष्ता सुहैल शाहीन ने दावा किया था कि उन्ह्होंने निशान साहिब को नहीं हटाया है। इस घटना की तस्ध्वीरें वायरल होने के बाद तालिबान की पोल खुल गई थी।

चौतरफा आलोचना के बाद तालिबान ने अब निशान साहिब को दोबारा लगा दिया है। तालिबान के इस कदम के बाद दुनियाभर के सिखों में काफी गुस्सा देखा गया था। इससे पहले गुरुद्वारे से आई तस्वीरों साफ नजर आ रहा था कि निशान साहिब को हटा दिया गया है। इस निशान साहिब को गुरुद्वारे की छत पर लगाया गया था। तालिबान पर इस्लामिक कट्टरपंथ की लाइन पर चलते हुए दूसरे धर्मों के अपमान के आरोप लगते रहे हैं लेकिन संगठन ने हाल में खुद के बदलने का दावा किया है।

तालिबान के प्रवक्ता का दावा कि उनके संगठन ने निशान साहिब को नहीं हटाया है

इलाके में रहा है आतंक: अफगानिस्तान के युद्धग्रस्त इलाकों में दशकों से अल्पसंख्यक अफगान सिखों और हिंदुओं के ऊपर अत्याचार जारी है। खासकर पकतिया का इलाका 1980 के दशक से मुजाहिदीन और तालिबानध्हक्कानी समूह का गढ़ हुआ करता था। तालिबान का आतंक यहां इस कदर था कि अफगानिस्तान की सरकार का यहां कोई दखल नहीं था।

पकतिया में आगे बढ़ रहा: पिछले साल ही यहां से निदान सिंह सचदेव का अपहरण कर लिया गया था। वह सावन के महीने से पहले सेवा के लिए गुरुद्वारे पहुंचे थे। बाद में उन्हें छोड़ दिया गया था। अमेरिकी सेना के जाने के बाद से तालिबान का तांडव और बढ़ गया है।

अफगानिस्तान पर यूएनएससी की मीटिंग में भारत ने नहीं बुलाया तो भड़का पाक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। अफगानिस्तान के बिगड़ते हालात पर आयोजित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में नहीं बुलाने पर पाकिस्तान ने भारत के ऊपर जमकर खीज निकाली है। दरअसल, भारत इस समय दुनिया के सबसे शक्तिशाली निकाय यूएनएससी की अध्यक्षता कर रहा है। ऐसे में भारत की सहमति के बिना यूएनएससी की मीटिंग में सदस्य देशों के अलावा कोई भी अन्य देश शामिल नहीं हो सकता है। इसी बात पर भड़का पाकिस्तान, भारत को परिषद के नियम–कानून सिखाने लगा। यह बैठक भारत की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी। इस बैठक के कुछ घंटे बाद ही संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि मुनीर अहमद ने मीडिया के सामने भारत की आलोचना शुरू कर दी। उन्होंने कहा कि भारत ने जानबूझकर पाकिस्तान को यूएनएससी की बैठक में बोलने का मौका नहीं दिया। उन्होंने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में कहा कि हमने भागीदारी के लिए औपचारिक अनुरोध किया था, लेकिन इसे अस्वीकार कर दिया गया।